सप्लाई किये गये 25,000 सीमेंट के बोरों में प्रत्येक बोरे में 10 किलोग्राम सीमेंट कम था ;

(ख) यदि हां, तो इस भोंदे में कितने व्यक्तियों का हाथ है; और

(ग) इस मामले में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

उद्योग मंत्री (श्री संजीवैया) : (क) से (ग). दिल्ली नगर निगम ने मध्य प्रदेश के एक सीमेंट कारखाने से यह शिकायत की थी कि 2000 मी० टन सीमेंट के आर्डर में से कारखाने द्वारा सम्भरित सीमेंट की पहली खेप में औसतन प्रति बोरी में से 5 से 6 किलोग्राम तक सीमेंट कम था। निगम के एक अधिकारी अगली खेप में सही तोल की जांच करने के लिए कारखाने भी गये थे। तोल में कमी को पूरा करने के प्रश्न पर सीमेंट के कारखाने और दिल्ली नगर निगम के बीच पत्र व्यवहार हो रहा है।

हिन्दी जानने वाले कर्मचारी

556. **श्री विश्राम प्रसाद**
श्री काशी राम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 31 अगस्त, 1966 को उनके मंत्रालय में श्रेणी 1, श्रेणी 2 तथा श्रेणी 3 के ऐसे कितने कर्मचारी थे जो हिन्दी नहीं जानते ;

(ख) क्या मंत्रालय ने उन्हें हिन्दी पढ़ाने का कार्यक्रम बनाया है; और

(ग) यदि हां, तो इस कार्यक्रम के अनुसार सभी कर्मचारियों को कब तक हिन्दी का ज्ञान हो जायेगा ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) इस मंत्रालय मे श्रेणी 1 के 61 अधिकारी, श्रेणी 2 के 129 अधिकारी और श्रेणी 3 के 87 अधिकारी हैं जो हिन्दी नहीं जानते हैं।

(ख) जी, हां।

(ग) लगभग पांच वर्ष।

हिन्दी में पत्र-व्यवहार

557. **श्री विश्राम प्रसाद :**
श्री काशी राम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में तथा इससे सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों में वर्ष 1966 के पूर्वार्ध में हिन्दी में लिखे कुल कितने पत्र आये; और

(ख) उन में से कितने पत्रों का उत्तर हिन्दी में और कितने पत्रों का उत्तर अंग्रेजी में दिया गया ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) और (ख). जानकारी एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग

558. **श्री विश्राम प्रसाद :**
श्री काशी राम गुप्त :
श्री नरदेव स्नातक :
श्री मोहन स्वरूप :
श्री छ० म० केदरिया :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय में ऐसे सरकारी कर्मचारी कितने हैं जिनसे गृह-कार्य मंत्रालय

की हिन्दी प्रशिक्षण योजना कक्षाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद हिन्दी में काम करने को कहा है ;

(ख) क्या सरकार इन कर्मचारियों के हिन्दी के ज्ञान को ताजा बनाये रखने के लिए कोई कार्यवाही कर रही है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) चार अनुभागों को, जिनके अधिकांश कर्मचारी हिन्दी जानते हैं, हिन्दी के पत्रों पर हिन्दी में टिप्पण करने की अनुमति दी गई है।

(ख) और (ग). पुस्तकालय में, जो कि उद्योग मंत्रालय के आधीन है, हिन्दी की पुस्तकों एवं पत्र/पत्रिकाओं की व्यवस्था है और वे इस मंत्रालय के कर्मचारियों के लिए भी उपलब्ध हैं।

आयात तथा निर्यात नियमों का हिन्दी अनुवाद

559. **श्री विश्राम प्रसाद** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आयात तथा निर्यात मुख्य नियन्त्रक ने अब तक कौन-कौन से नियम विधि मंत्रालय को हिन्दी में अनुवाद के लिए भेजे हैं ;

(ख) उन में से कितने नियमों का अनुवाद हो चुका है; और

(ग) शेष नियमों के अनुवाद के लिए क्या कार्यवाही की गई है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 तथा उसके पांच संशोधन जो आयात तथा निर्यात (नियन्त्रण) अधिनियम 1947 के अधीन 21 अगस्त, 1964 तक जारी किये गये।

(ख) पांच संशोधनों का अनुवाद कर दिया गया है।

(ग) आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 का अनुवाद पूरा हो जाने के बाद, उसमें बाद में किये गये संशोधनों और निर्यात (नियन्त्रण) आदेश 1962 को भी, अद्यतन संशोधित रूप में हिन्दी अनुवाद के लिए विधि मंत्रालय को भेज दिया जायेगा।

बोकारो इस्पात कारखाने के लिये मशीनें

560. **श्री ओंकार लाल बेरवा** : क्या लोहा और इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रूस बोकारो इस्पात कारखाने के लिए सहायता के रूप में मशीनें देने को सहमत हो गया है;

(ख) यदि हां, तो अब तक क्या-क्या उपकरण प्राप्त हुए हैं; और

(ग) क्या-क्या उपकरण प्राप्त किये जायेंगे तथा ये कब तक प्राप्त हो जायेंगे ?

लोहा और इस्पात मंत्री (श्री त्रि० ना० सिंह) : (क) से (ग). 3 मई, 1966 को बोकारो स्टील लिमिटेड और रूसी संगठन (ट्याज प्रोमेक्सपोर्ट) के बीच हुए करार के अन्तर्गत, रूसी संगठन ने अन्य बातों के साथ-साथ 1970 के मध्य तक 105,852 टन उपकरण सप्लाई करने हैं। ये उपकरण बोकारो के लिए रूस द्वारा दिये गये 200 मिलियन रूबल के ऋण में से लिए जायेंगे। सोवियत सम्भरण कर्ताओं ने करार के अंतर्गत दिये जाने वाले उपकरण भेजने आरम्भ कर दिये हैं। एक जहाज 84 टन उपकरण और 1920 टन पाइप और दूसरा सामान ले कर सितम्बर, 1966 में यहां पहुंचा था।